Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to make salary and emoluments of armed forces of the country income tax-free.

श्री रोड़मल नागर (राजगढ़) ः हमारे देश में अनेक धर्म, पंथ, सप्रदाय, जाति, वर्ग के लोग निवास करते हैं, जिनमें व्यापारी, किसान, मजदूर, नौकरीपेशा, श्रमिक, आम आदमी के कई वर्ग होते हैं, जो अपनी आवश्यकताओं के लिए या अपने हक एवं अधिकार के संघर्ष के नाम पर छोटी-छोटी बातों के लिए आन्दोलन करते रहते हैं। "चाहे जो मजबूरी हो, हमारी मांगे पूरी हो " का एकमेव नारा लगाते हुए शासन व प्रशासन से अपनी मांगें मनवाने की कोशिश करते दिखते हैं।

किन्तु एक वर्ग ऐसा भी है, जो संगठित, बुद्धिमान, ताकतवर, कर्त्तव्यनिष्ठ और समर्पित होते हुए भी कभी अपने अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठाता, वह वर्ग है हमारी सेना के जवान। वीर सैनिक जो माइनस 40 डिग्री तापमान हो या दुश्मन की गोलियों का साया हो, विपरीत मौसम और परिस्थितियों में हर क्षण भारत माता की रक्षा के लिए सरहद पर सीना ताने खड़ा रहता है ताकि हम सुरक्षित और खुशहाल जीवन जी सकें।

हमारा कर्त्तव्य बनता है कि उनके घर परिवार, उनके जीवन के बारे में सोचने का। मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि हमारे सैनिकों के वेतन को आयकर से मुक्त रखा जाए जिससे यह संदेश जायेगा कि राष्ट्रहित ही समाज का सर्वोच्च हित है।